

This question paper contains 3 printed pages]

AN—39—2019

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (Second Semester) EXAMINATION

MARCH/APRIL, 2019

HINDI

Paper V

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : भाग-2)

(Tuesday, 23-4-2019)

Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

Time—Three Hours

Maximum Marks—75

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) राम भगति पथ परम प्रबीना। ग्यानी गुन गृह बहु कालीना ॥

राम कथा सो कहइ निरंतर। सादर सुनहिं विविध बिहंगबर ॥

जाइ सुनहु तहँ हरि गुन भूरी। होइहि मोह जनित दुख दूरी।

मैं जब तेहि सब कहा बुझाई। चलेउ हरषि मम पद सिरु नाई ॥

10

अथवा

कहुँ रहीम कैसे निभै, बेर केर को संग।

वे डोलत रस आपने, उनके फाटन अंग ॥

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

जहाँ काम आवै सुई, कहाँ करै तरवारि ॥”

P.T.O.

(आ) इत आवति चलि जाति उत चली, छ सात हाथ।

चढी हिंडौरे सै रहै लगी उसासनु साथ॥

10

अथवा

“बिगत काम मम नाम परायन। सांति बिरति बिनती मुदितायन॥

सीतलता सरलता मयत्री। द्विज पद प्रीति धर्म जनयत्री॥

ए सब लच्छन बसहिं जासु उर। जानेहु तात संत संतन फुर॥

समा दम नियम नीति नहिं डोलहि। परुष बचन कबहूँ नहिं बोलहिं॥”

2. बिहारी की बहुज्ञता स्पष्ट कीजिए।

20

अथवा

रहीम की भाषा पर प्रकाश डालिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) रहीम के नीतिपरक विचार।

10

अथवा

तुलसी की विनय भावना।

(आ) तुलसी की भक्ति-भावना।

10

अथवा

बिहारी का शृंगार।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग पंद्रह-बीस पंक्तियों में लिखिए :

5

(i) भूषण का काल विशेष में स्थान लिखिए।

(ii) भूषण की भक्ति-भावना स्पष्ट कीजिए।

(iii) गुरुगोविन्द सिंह का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(iv) देव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5

- (i) कवि देव किस शहर के निवासी थे ?
- (ii) सुजान रसखान के कवि कौन हैं ?
- (iii) मतिराम की मृत्यु कब हुई ?
- (iv) रीतिकाल के कौन-से कवि ने छ. शिवाजी महाराज पर कविता लिखी ?
- (v) गुरुगोविन्द सिंह की माता का नाम क्या था ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

- (i) मतिराम का जन्म शहर में हुआ।
- (ii) कवि भूषण ने रस की कविता लिखी।
- (iii) देव काव्यधारा के कवि थे।
- (iv) गुरुगोविन्द सिंह के पुत्र का नाम था।
- (v) रसखान की मृत्यु ई.स. को हुई।